रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शिष्टाचार मुलाकात

सचिन तेंदुलकर ने शनिवार को एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की। हालांकि एनसीपी ने इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया। पेज 11

सपा एमएलसी वीरेंद्र सिंह भाजपा में शामिल पेज 02 ▌ पीएनजी बर्नर से 20 प्रतिशत गैस की बचत होगी पेज 10

रविवार, 31 मार्च 2019, लखनऊ , पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 10, अंक 12, 28 पेज+4 पेज फुरसत, मूल्य ₹ 4.00, चैत्र कृष्ण पक्ष, एकादशी, विक्रम संवत् 2075

वैकल्पिक ऊर्जा में तीसरे स्थान पर पहुंचा भारत: डा. भरतराज

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन में हम विश्व में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। सौर ऊर्जा के प्रति प्रोत्साहन व लोगों में जागरूकता से वर्ष 2030 तक हम अन्तरराष्ट्रीय ग्रिड के माध्यम से पड़ोसी देशों को भी विद्युत आपूर्ति कर सकेंगे।

यह बात एमिटी यूनिवर्सिटी में स्कूल आफ आर्किटेक्टर एण्ड प्लानिंग द्वारा ग्रीन बिल्डिंग और रेटिंग सिस्टम पर शनिवार को आयोजित संगोष्ठी में वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. भरतराज सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में कही। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक ऊर्जा से मौजूदा समय में हम 380 गीगावाट बिजली उत्पादन कर रहे हैं। इसमें लगभग 25 गीगावाट बिजली का उत्पादन सौर ऊर्जा से हो रहा है। बाकी हवा व पानी से हो रहा है। भारत से डेनमार्क व चीन आगे हैं। वर्ष 2030 तक वैकल्पिक ऊर्जा से 850 गीगावॉट से अधिक उत्पादन की संभावना है।

ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न पर्यावरण के खतरनाक प्रभाव को रोकने और इसकी उपचारात्मक कार्रवाई पर डॉ. भरतराज सिंह ने कहा कि मानव जाति को प्रकृति से अच्छा संबंध बनाना होगा। संगोष्ठी का उद्घाटन यूपीटीयू के पूर्व कुलपति प्रो. आरके खांडल ने किया। गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में मौजूद आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, आईआईटी, रुड़की के पूर्व विभागाध्यक्ष और सस्टेनेबल प्लानिंग में तकनीकी विशेषज्ञ प्रो. आर शंकर ने ग्रीन बिल्डिंग्स के माध्यम से प्रकृति से जुड़ने की सलाह दी।